



श्री गणेश जी व्रत कथा (संकष्टी/विनायक चतुर्थी पर प्रचलित कथा)

जो भक्त श्रद्धा से यह कथा सुनता/पढ़ता है, उसके विघ्न दूर होते हैं, धन, संतान, सुख और सफलता मिलती है।

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री गणेश जी व्रत कथा ॥

प्राचीन समय में एक निर्धन ब्राह्मण रहता था। वह बहुत धर्मात्मा था, परंतु घर में धन नहीं था। उसकी पत्नी भी दुःखी रहती थी। एक दिन ब्राह्मण वन में गया और वहाँ एक महात्मा से मिला। महात्मा ने कहा:

“यदि तुम श्रद्धा से श्री गणेश जी का व्रत करोगे, तो तुम्हारे सभी संकट दूर होंगे।”

ब्राह्मण ने पूछा, “व्रत कैसे करूँ?”

महात्मा बोले:

चतुर्थी के दिन स्नान करके गणेश जी की पूजा करो।

दूर्वा, फूल, लड्डू अर्पित करो।

दिन भर व्रत रखो।

कथा सुनो और गणेश जी का स्मरण करो।

रात्रि में चंद्र दर्शन के बाद व्रत खोलो।

ब्राह्मण ने श्रद्धा से व्रत किया। कुछ ही दिनों में उसके घर से दरिद्रता दूर हो गई, धन-धान्य बढ़ा, परिवार में सुख-शांति आ गई।

उस नगर का राजा भी संतानहीन था। उसने भी यह व्रत किया। गणेश जी की कृपा से उसे सुंदर पुत्र प्राप्त हुआ।

धीरे-धीरे पूरे नगर में गणेश व्रत का महत्व फैल गया। जो भी श्रद्धा से व्रत करता, उसके संकट दूर होते, मनोकामनाएँ पूर्ण होतीं।

तब से गणेश चतुर्थी और संकष्टी चतुर्थी का व्रत अत्यंत फलदायी माना गया।

व्रत का संदेश

श्रद्धा से पूजा करें
अहंकार छोड़ें
गणेश जी प्रथम पूज्य हैं
संकट हरते हैं और बुद्धि देते हैं

व्रत खोलने का मंत्र

ॐ गं गणपतये नमः ॥

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"